



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 2, 1974 (कालिका 11, 1896)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 2, 1974 (KARTIKA 11, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० पी० 1818-प्रशा०-I—डा० बी० सुश्रामण्यन, जो पहले विशाल तथा प्रौद्योगिकी विभाग में प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी थे को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 31 अगस्त, 1974 के अपराह्न से उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

एम० आर० भागवत  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष,  
संघ लोक सेवा आयोग

आदेश तक के लिये, संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशा० अधिकारी (स्थापना)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० 11/6(15)/74 प्रशा०-1—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री कालिदास धर को दिनांक 6-9-74 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, कलकत्ता शाखा में, अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशा० अधिकारी  
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक  
विशेष पुलिस स्थापना

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० पी० एफ०/ए 2/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से पश्चिम बंगाल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, श्री ए० बी० चौधरी को दिनांक 30-9-74 के अपराह्न से अगले

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1974

सं० 2/29/74 प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री बी० के० शर्मा, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक

अभियन्ता को 20-9-74 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

बी० व्ही० दिग्धे  
अवर सचिव (प्रशासन)  
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

#### रक्षा लेखा विभाग

##### कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० 18275/प्रशा० II — 21-4-74 (पूर्वाह्न) को वार्षिक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री नवनीत लाल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को 30-4-74 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित किया गया और विभाग की नफरी से निकाल दिया गया।

#### शुद्धि-पत्र

2. इस कार्यालय की श्री नवनीत लाल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, सम्बन्धी अधिसूचना सं० 18275/प्रशा० II, दिनांक 15 फरवरी, 1974 जोकि भारत के राजपत्र भाग III खण्ड 1 (पृष्ठ 1853), दिनांक 23-3-1974 में प्रकाशित हुई, रद्द की जाती है।

एस० के० सुन्दरम  
रक्षा लेखा अवर महा नियंत्रक

#### रक्षा मंत्रालय

##### महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

##### भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 सितम्बर 1974

सं० 42/74/जी०—वार्षिक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, निम्न-लिखित अधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

1. श्री के० डी० कोहली, ओ० एस० डी० (मौलिक एवं स्थायी) महाप्रबन्धक (सर्लैक्शन ग्रेड)/उप-महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां—31 अगस्त, 1974 (अपराह्न)।

2. श्री के० एन० चक्रवर्ती, स्थानापन्न ए०डी०जी०ओ०एफ० ग्रेड-2 (मौलिक एवं स्थायी सीनियर डी० ए०डी०जी०ओ०एफ० प्रबन्धक)—31 अगस्त, 1974 (अपराह्न)।

दिनांक 1 अक्टूबर 1974

सं० 41/74/जी०—सी० एस० आर० की धारा 459 के अन्तर्गत दी गई नोटिस की समाप्ति पर, श्री यू० एन० दास, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 28 फरवरी, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय  
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

#### पूर्ति विभाग

##### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

##### (प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक अक्टूबर 1974

सं० ए०-17011(75)/74 प्र०-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री सी० एल० सूर्यनारायणन को दिनांक 18-9-74 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक बम्बई निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सी० एल० सूर्यनारायणन, ने पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II) का पद भार छोड़ दिया तथा दिनांक 18-9-74 के पूर्वाह्न को बम्बई निरीक्षण मण्डल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार संभाल लिया।

एस० के० जोशी,  
उप निदेशक (प्रशासन)

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1-130/73-ईस्ट-1—डा० (श्री मति) इन्दु कुमार ने अपने त्याग पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 12 मई, 1973 को अपराह्न में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली के अधीन महिला चिकित्साधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

के० वेणुगोपाल,  
उप निदेशक प्रशासन

#### कृषि मंत्रालय

##### (कृषि विभाग)

##### विपणन और निरीक्षण निदेशालय

##### (प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 1974

सं० फा० 2/8/74-वि० II—सं० 3(44)/9/72-वि० II, सं० फा० 74(15)/72-वि० I एवं सं० फा० 5/11/69-वि० II, भारत के राजपत्र भाग III खण्ड I में दिनांक 21-7-73 (पृष्ठ 1840 से 1844) में प्रकाशित अधिसूचना में श्री ई० गोपालन, विपणन अधिकारी के नाम को जो उक्त अधिसूचना में जहाँ कहीं भी आया है उक्त अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में रद्द समझा जाय।

सं० 12/10/73-वि० II—भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना सं० 1127 दिनांक 21-4-73 के लिए, में एतद् द्वारा, श्री जे० बी० अम्पा राव, विपणन अधिकारी, बंगलूर को तुरन्त से, इस संबंध में कि कड़ी पाउडर का श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का 1) के खण्ड 3 के अधीन निम्नित तथा

यथा संशोधित कढ़ी पाउडर श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1956 के उपबंधों के अधीन किया जा चुका है, अतः परम आदेशों तक श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरालीधर राव,  
कृषि विपणन सलाहकार

(खाद्य विभाग)

शर्करा तथा वनस्पति निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

सं० ए-19012/41/74-स्था०— श्री एस० के० यादव को 30 अगस्त, 1974 से अगले आदेश मिलने तक, स्थानापन्न निरीक्षक (वनस्पति) नियुक्त किया गया है।

एन० के० प्रभाकर राव,  
मुख्य निदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1974

सं० ए-32013/4/73-ई०ए०—राष्ट्रपति ने श्री टी० शिवशंकरन, वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी को 20 सितम्बर, 1974 से उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। श्री शिवशंकरन को मुख्यालय में उपनिदेशक (विमान परिवहन) के पद पर तैनात किया गया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1974

सं० ए-32013/2/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री पी० जी० कुरियन को, जो नियंत्रक, बैमानिक निरीक्षण, बंबई के कार्यालय में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त थे, 7 जून, 1974 से नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

एच० एल० कोहली,  
उप निदेशक

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

सं० ई (1) 06684—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद् द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अधीन मौसम कार्यालय, जयपुर के व्यवसायिक सहायक श्री डी० के० मिश्रा को पहली जुलाई, 1974 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री डी० के० मिश्रा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास,  
मौसम विशेषज्ञ  
हृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय,  
सिद्धवंदी

चन्डीगढ़, दिनांक 1 अक्टूबर 1974

सं० 276—श्री आर०-पी० धवन, निरीक्षक (संलक्षण प्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, दिल्ली की नियुक्ति अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर वेतन क्रम रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-880-40-1000-ई० बी०-40-1200, पर अगले आदेश तक की गई है और उन्होंने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अमृतसर के पद का कार्यभार, दिनांक 28-8-1974 के पूर्वार्द्ध में ग्रहण कर लिया।

सं० 277—इस कार्यालय के अधिसूचना नं० 256 में दिनांक 13 जुलाई, 1974 की अपेक्षा 13 जून, 1974 पढ़ा जाए।

सं० 278—इस कार्यालय के अधिसूचना नं० 258 में दिनांक 30-7-1974 की अपेक्षा 31-7-1974 पढ़ा जाए।

बी० के० सेठ,  
समाहर्ता

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं औद्योगिक लाईट एंड पावर सप्लायर्स लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

सं० 6844/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर औद्योगिक लाईट एंड पावर सप्लायर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्पित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं ट्रेड्स एस्टैबलिशमेंट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 4 अक्टूबर, 1974

सं० 4883/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ट्रेड्स एस्टैबलिशमेंट इंडिया प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्पित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० नारायणन,  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना

कटक, दिनांक 1974

सं० एल० 393/74-कम्पनी अधिनियम 1956 के मामले और ओडिशा टिम्बर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० 11 of 1972 में ओडिशा स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 12-8-74 के आदेश द्वारा ओडिशा टिम्बर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

एस० एन० गुहा,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ओडिशा

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० X/10/50/73-74—यतः, मुझे, के० वी० राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 26, नार्तवेलि स्ट्रीट, मदुरै है, जो . . . में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुत्तुमण्डपम, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 6-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात् 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती आर० एम० मुत्तम्माल और आर० एम० एम० सुपेन्तिरम/ मदुरै (अन्तरक)

(2) श्री सेतुरामन, सुब्रमनियम और वनसेकरन (मैनर्स) मदुरै। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, नार्तवेलि स्ट्रीट, डोर सं० 26 में 2550 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 7-10-74

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री आर० कृष्णन, मद्रास (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आसि लीफमन विलियम्स, मद्रास-59।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास दिमांक 9 अक्टूबर 1974

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

निर्देश सं० 1132/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 10, गवर्नमेन्ट सर्वेन्ट्स कालनि, सेनटोप,  
कालनि, मद्रास है, जो . . . में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16 के अधीन 11-2-1974

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा या;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय  
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

## अनुसूची

मद्रास-18, सेनटोफ कालनि, गवर्नमेन्ट सर्वेन्ट्स कालनि  
डोर सं० 10 में एक ग्राउण्ड और 2262 स्क्वयर फीट का भूमि  
(मकान के साथ)।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ए० रागवेन्द्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, II मद्रास

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 9-10-1974  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जी० बी० लक्ष्मी, बेंगलूर-11 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० लक्ष्मी अम्मालू, मद्रास-34 (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० 926/73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 33, सौत बोध रोड, टी० नगर, मद्रास-17 है, जो . . . . में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 6-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर, सौत बोध रोड, डोर सं० 33 में दो ग्राउण्ड और दस स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 6542 और सर्वे सं० 120/3 और 121/1 (भाग)

ए० रागवेन्द्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास।

तारीख : 8-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० 1152 73-74—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 12 और 12 सी० पिरम्बूर बेरक्स रोड, मद्रास-12 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 20-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टी० सेतु मादवन, एस० पी० मोहंमड; के० के० कोच् मोहंमड और टी० गोपाल कृष्ण भन्नडियार, मद्रास-7 (अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एस० सैयड जोहर बीबी, पोडकुडि, तन्जाऊर जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अमुसूची**

मद्रास, पिरम्बूर बेरक्स रोड, डोर सं० 12 और 12 सी में 3507 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

ए० रागवेन्द्र राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II मद्रास ।

तारीख : 8-10-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन /1828—71 आगरा/73-74—  
यतः, मुझे, आई खोखर, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई त० व० जि०  
आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16  
के अधीन 15-2-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती जावत्री देवी पत्नी खुशी लाल निवासी हरजूपुरा  
ताजगंज, आगरा (अन्तरक)
- (2) इण्डिया टुबेको कम्पनी लि० 37 चौरंगी स्कवायर  
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम बसई त० व० जिला आगरा में स्थित प्लॉट नं० 406,  
408, 409, 410, 411, 414, 3 बोधा व 6 बिस्वा जिसका  
हस्तांतरण 35, 464.68 पै० में किया गया।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कानपुर

तारीख : 27-9-74

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/135/आगरा/73-74/1817—यतः, मुझे, आई० खोखर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूचि में है जो ग्राम बसई त० व जि० आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-74

1 पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
2—306GI/74

(1) श्री प्यारे लाल पुत्र श्री चुन्नीलाल नि० हरजपुरा ताजगंज, आगरा (अन्तरक)

(2) इण्डिया तम्बाकू कम्पनी 37, चौरंगी स्ववायर कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती धारा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित भूमि प्लॉट नं० 880, 882, 883, 884 और 885 के (1/6 भाग का 1/3 भाग) जिसकी माप 4 बीघा 6 बिस्वा है जिसका हस्तांतरण 7,000 में किया गया।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 27-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/134/आगरा/73-74/1812—यतः, मुझे, वार्ड० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती-द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जमुनी दास पुत्र कुंभी लाल नि० हरजपुरा, राजगंज, आगरा । (अन्तरक)
- (2) इण्डिया तम्बाकू कम्पनी 37, चौरंगी स्वबायर कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित भूमि के 'लाट नं० 880, 882, 883, 884 और 885 के (1/2 भाग का 1/2 भाग) जिसकी माप 4 बीघा 6 बिस्वा है इसका हस्तान्तरण 7,000/- में किया गया ।

वार्ड० खोखर,  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—, —, —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 सितम्बर 1974

निदेश सं० अर्जन/61/आगरा/73-74/1822—यतः, मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अक्षर सिंह पुत्र बूरे।

2. श्री सुनहरी लाल पुत्र अमरसिंह।

3. श्री भगवती प्रसाद पुत्र अमर सिंह।

4. श्री हरी किशम पुत्र अमर सिंह।

5. कु० विनीता पुत्री श्री अमर सिंह।

नि० सभी :—हरजपुरा, ताजगंज, आगरा।

(अन्तरक)

2. इण्डिया तम्बकू कम्पनी लिमिटेड, कलकता (अन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 382, 385/2, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 879, 881, 886 और 887 की भूमि की माप 8 बीघा 12 बिस्वा है जो ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित है।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तस्वीर : 26-9-74

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/72/आगरा/73-74/1818—यतः मुझे,  
आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जिला  
आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-2-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधाराओं  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जावत्री देवी पत्नी शुन्नी लाल निवासी हरजपुरा  
ताजगंज, आगरा। (अन्तरक)

(2) इण्डिया टुर्बोको कम्पनी लि० 37 चौरंगी स्क्वायर,  
कलकत्ता। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिणी को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जिला आगरा में स्थित प्लॉट नं० 416  
417, 418 और 419, जिसकी माप 2 बीघा 0 बिस्वा है।  
जिसका हस्तांतरण, 535, 12 में किया गया।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्ज०/73/आगरा/73-74/1828—यतः, मुझे,  
वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० जैसा की सूची में है जो ग्राम बसई त० व जि० आगरा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
15-2-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही रु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री-कुमार सिंह पुत्र धूरेलाल निवासी हरजपुरा साजगंज  
आगरा (अन्तरक)

2. इम्बिया टूबैकी कम्पनी लि० बीरंगी

स्वायर कलकत्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों  
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए  
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप  
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 380, और 381 जिसकी माप 1 बीघा 8 बिस्वा  
का 1/2 भाग ग्राम बसई त० व जिला, आगरा में स्थित है जिसका  
कि हस्तान्तरण 19-289.25 में हुआ।

वाई खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन /59/आगरा/73-74/1820—यतः, मुझे  
आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो मौजा वसई तह० और  
जिला आगरा में स्थित है (जो इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 15/2/74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-

फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-  
कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भन्वस्ती प्रसाद और सुनहरीनाल पुत्रगण श्री अमर  
सिंह नि० हरजूपुरा, आगरा। (अन्तरक)

2. मैसर्स इण्डिया लम्बाक कम्पनी कलकत्ता सि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है  
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मौजा वसई तह० व जिला आगरा में स्थित भूमि के प्लॉट न०  
880, 882, 883, 884, 895, की भूमि 4 बीघा 6 बिस्वा के  
1/2 भाग का हस्तान्तरण 72,900 रु० में किया गया।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मीहूर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/69/आगरा/73-74/1825—यतः, मुझे आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-2-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बसन्त लाल पुत्र श्री श्यामलाल नि० पाक्तोला, ताजगंज, आगरा। (अन्तरक)

2. श्री इडिया तम्बाकू कम्पनी लिमि० 37, चौरंगी स्कायर कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुते जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित प्लॉट नं० 880, 882, 883, 884 और 885 की भूमि का 1/6 भाग अविभाजित जिसकी माप 4 बीघा 6 बिस्वा है इसका हस्तान्तरण 21725 में किया गया।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/70/आगरा/73-74/1823—मत, मुझे  
वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जि०  
आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 14-2-1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के लिए सुकर बनाना।

और मत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुलाब सिंह पुत्र श्री करम सिंह नि० एम० पी० पुरा,  
ताजगंज आगरा। (अन्तरक)

2. इंडिया तम्बाकू कम्पनी लिमि० 37, चौरंगी स्कवायर  
कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत  
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा  
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जिला आगरा में स्थित प्लॉट नं०  
880, 882, 883, 884, और 885 की अविभाजित भूमि का  
1/6 भाग जिसकी माप 4 बीघा 6 बिस्वा है। इसका हस्तान्तरण  
21,725/- में किया गया।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/75/आगरा/73-74—यतः, मुझे, वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई ताजगंज आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह पुत्र धूरे लाल हरजूपुरा ताजगंज, आगरा।  
(अन्तरक)

2. इण्डिया तम्बाकू कम्पनी लिमि० कलकत्ता 37, चौरंगी  
स्क्वायर कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम बसई, ताजगंज आगरा में स्थित भूमि के प्लॉट नं० 380 और 381 एम० का अविभाजित 1/2 भाग जिसकी माप 1 बीघा 8 बिस्वा है का हस्तान्तरण 19281.25/- रु० में किया गया

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन०/58/आगरा/73-74/1830—यतः, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्रामवसई त० व जिला आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुवर सिंह पुत्र श्री धूरें लाल निवासी हरजपुरा, ताजगंज, आगरा (अन्तरक)
2. इण्डिया टूवेल्स कम्पनी लि० 37, चौरंगी स्ववायर कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 383, 384, और 385 जिसकी माप 3 बीघा का 1/2 भाग जो ग्राम वसई त० व जिला आगरा में स्थित है। जिसका हस्तान्तरण 46,843.75 रु० में हुआ।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-74।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन०/60/आगरा/73-74/1827---यतः, मुझे, वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई त० व जि० आगरा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर सिंह पुत्र श्री कूर लाल निवासी हरनूपुर तालगंज, आगरा (अन्तरक)।

2. इण्डिया टूबैका कम्पनी लि० 37, चौरंगी स्ववायर कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 383-384 और 385 जिसकी माप 3 बीघा और 8 बिस्वा का 1/2 भाग जो ग्राम बसई त० व जि० आगरा में स्थित है जिसका हस्तांतरण 46,843.75/-रु० में हुआ।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज  
कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन/74-75/836/आगरा/1815—यतः, मुझे, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी मं० जैसा कि सूची में है जो ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन 15-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र श्री धूरेलाल नि० हरजूपुरा, ताजगंज, आगरा (अन्तरक)
2. इण्डिया तम्बाकू कम्पनी लिमि० 37, चौरंगी स्ववायर, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्राम बसई तह० व जि० आगरा में स्थित भूमि के प्लॉट नं० 880, 882, 883, 884, और 885 की कुल माप 4 बीघा 6 बिस्वा है के (1/2 भाग का 1/2 भाग) इसका हस्तान्तरण 14,000/- में किया गया।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० 3117/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 74, कामाक्षि अम्मन कोयिल स्ट्रीट, है, जो पाण्डिचेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाण्डिचेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुन्दारामबाल, पाण्डिचेरी (अन्तरक)
  - (2) श्री सेयिन्ट जेवेंस हिलेर फ्रान्सिस और श्रीमति जेवेंस रिटा, पाण्डिचेरी। (अन्तरिती)
  - \* (3) श्रीमती सुन्दराम्बाल।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
  - \* (4) श्रीमती सुन्दराम्बाल।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पाण्डिचेरी, कामाक्षि अम्मन कोयिल स्ट्रीट, डोर सं० 74 में 1920 स्क्वयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

ए० रागवेन्द्र राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, मद्रास।

तारीख . 4-10-74

मोहर :

\* (जो लागू न हो उसे काट दीजिये)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बैंगलूर  
का कार्यालय

दिनांक 18 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2132/73-74 एक्कू० (बी)—  
यतः, मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बंगलूर-27, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 5/1, 5/2, 5/3 और 5/4 (डिविजन  
नं० 14) है, जो बोल्लड सोवार लेन, शेशाद्रि रोड, बैंगलूर सिटी  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर, बैंगलूर-9,  
दस्तावेज नं० 4604 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 2-2-1974 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्: —

1. (1) श्री पी० नागप्पा सुपुत्र वेंकटरामय्या।
- (2) श्री पी० एन० श्रीपति राव, सुपुत्र नागप्पा।

(3) श्री पी० एन० क्रिष्णबयर सुपुत्र पी० नागप्पा,  
नं० 236, 4 रोड, चामराजपेट, बैंगलूर सिटी।

2. मै० वासवी चन्दर प्रैसेस भागीदार द्वारा

- (1) श्री एन० के० कन्नाकुमार।
- (2) श्री के० आर० श्रीरामय्या।
- (3) श्री पी० एम० असवर्धनारायण सेट्टी।
- (4) श्री वी० एस० पार्थसारथी।
- (5) श्री वी० ए० श्रीनिवास, गौरीशक्कर मार्केट।  
के० एस० लेन, एवेन्यू रोड, फ्रास, बैंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,  
आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सैट नं० 5/1, 5/2, 5/3 और 5/4, बोल्लड सोवार लेन, शेशाद्रि  
रोड, बैंगलूर सिटी, डिविजन 14, (सर्वे नं० 27/1)।

पू० प० 115'0"1

उ० द० 24' क्षेत्रफल 2780 वर्गफीट।

सीमा : पूर्व : क्रिष्णमूर्ति सैट।

पश्चिम : कार्पोरेशन रोड।

उत्तर : कार्पोरेशन रोड।

दक्षिण : थाकूर देसाय की इमारत नं० 5।

दस्तावेज नं० 4604/2-2-74।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 18-9-1974

मोहर :

अर्जन रेंज, बैंगलूर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2164/73-74/एक्यु० (बी)---  
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विन्यास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 23,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी  
सं० खुली जगह नं० 43 पुराना नं० 68) है, जो  
वीलर रोड, काक्सटोन, बैंगलूर-5, में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय शिवाजीनगर, बैंगलूर, दस्तावेज नं० 3865 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने के लिये सुकर बनाना ;

और यत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मंरे द्वारा अभिलिखित किये गये  
हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(2) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री डी० चिन्नबोध रेड्डी

(2) श्री डी० चिन्नबोध रेड्डी  
(3) श्री डी० श्रीनिवास रेड्डी  
(4) श्रीमती आर० कृष्णशिवम्मा पत्नी रामचन्द्र रेड्डी  
(5) श्री डी० कुमारस्वामी रेड्डी, मोपूर गांव कर्नूर  
तालुक, नेक्कुरा जिला ।  
(6) श्रीमती सी० सरस्वतम्मा पत्नी श्री कृष्ण रेड्डी  
थल्लयपालम गांव, कर्नूर तालुक, नेक्कुरा जिला ।  
(अन्तरक)

2. (1) श्री ई० मुनिबेकटप्पा रेड्डी सुपुत्र डी० चिन्नबाध रेड्डी  
(2) श्री ई० मरियप्पा सुपुत्र एम० अयप्पा, नं० 121,  
जीवनहल्ली, काक्स टोन, बैंगलूर-5 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-  
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि  
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे  
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया  
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

खुली जगह नं० 43 (पुराना नं० 68) वीलर रोड, काक्स  
टोन बैंगलूर-5 (कार्पोरेशन डिब्बीजन नं० 49)

पू० : 20' प० : 66' उ० : 64' द० : 82'

क्षेत्रफल : 3139 वर्गफीट ।

सीमा : पू : नाला

प० : 30' रोड

उ० : पुराना प्लॉट नं० 12 (नया नं० 42)

द० : वीलर रोड ।

दस्तावेज नं० 3865/18-2-74 ।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख : 18-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2165/73-74/एक्यु० (बी)---  
यतः, मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधि-  
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 42 (पुराना नं० 68) है, जो वीलर  
रोड, काक्स टोन, बंगलूर-5 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर, दस्तावेज नं० 3879 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
10-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए रजिस्ट्रीकृत घिलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित  
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री डी० पेद्दबोय रेड्डी,
- (2) श्री डी० चिन्नबोय रेड्डी,

- (3) श्री डी० श्रीनिवास रेड्डी,
- (4) श्री डी० कुमारास्वामी रेड्डी,
- (5) श्री आर० क्रिष्णशिवम्मा पत्नी रामचन्द्र रेड्डी  
मोपुर गांव,
- (6) श्रीमती सी० सरस्वतम्मा पत्नी क्रिष्ण रेड्डी एल्लस-  
पालम गांव, कर्नूर तालुक, नेल्लूर जिला।

3. श्रीमती यशोदम्मा पत्नी अनजनप्पा, जो गहल्ली, देवन-  
हल्ली तालुक, बंगलूर, जिला।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वेकन्ट प्लॉट नं० 42 (पुराना नं० 68), वीलर रोड,  
काक्स टोन, बंगलूर-5 (कार्पोरेशन डिविजन नं० 49)

पू० : प० : 40' } क्षेत्रफल 2640 वर्गफीट  
उ० : द० : 66' }

मीमा : पूर्व : नाला

पश्चिम : 30' रोड

उत्तर : पुराना प्लॉट नं० 11 (नया नं० 4)

दक्षिण : प्लॉट नं० 43।

दस्तावेज नं० 3879/19-2-74।

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 18-9-1974

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 मितम्बर 1974

निर्देश सं० नि० आर० 62/2241/73-74/एक्यु० (बी)—  
यतः, मुझे आर० त्रिणमूति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 50 है, जो राजमहल विकास एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर-9, दस्तावेज नं० 4917 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सि० आर० रामचन्द्रन अयोद्या, नं० 11, जनरल मुत्तय्या मुदली स्ट्रीट, मद्रास-1।

4--306GI/74

2 (1) श्री अनन्त हेच० शाह,

(2) दिलीपकुमार ए० शाह

नं० 9, लोवर प्यालस आर्चर्ड्स, बंगलूर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वेकन्ट सैट नं० 50, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर।

पूर्व पश्चिम : 117-1/2' } क्षेत्रफल 10000 वर्ग फीट  
उत्तर दक्षिण : 85-1/4' }

सीमा :

उत्तर : सैट नं० 51

दक्षिण : सैट नं० 49

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : सैट नं० 55

दस्तावेज नं० 4917/22-2-1974।

आर० त्रिणमूति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख: 18-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 सितम्बर 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2252/73-74/एक्यू० (बी)—  
यतः, मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० खुली जगह नं० 249 है, जो सदाशिवनगर, बैंग-  
लूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर,  
बैंगलूर-9, दस्तावेज नं० 5016 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री बी० नारायणस्वामी सुपुत्र बी० नारायणप्पा,  
के० 6, गज्जे बसेट्टी लेन, काटनपेट, बैंगलूर-53 ।

2. श्री के० रामस्वामी सुपुत्र कृष्णस्वामी गौन्डर कन्दाक्टर  
नं० 309, सदाशिवनगर, बैंगलूर-6 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर  
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए  
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान  
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,  
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को  
दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर  
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई  
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार  
होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

खुली जगह नं० 249, 18 कास सदाशिवनगर, बैंगलूर-6 ।

सीमा :

पूर्व, पश्चिम : 120 फीट

उत्तर, दक्षिण : 80 फीट

उत्तर : सैट नं० 250

दक्षिण : सैट नं० 249

पूर्व : रोड़

पश्चिम : सैट नं० 267 और 268

दस्तावेज नं० 5016/28-2-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर- ।

तारीख : 18-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय  
60/61, एरंडवना, कर्वे रोड,  
अर्जन रेंज, पूना, 411004

पूना- 411004, दिनांक 4 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० सी० ए० एस०/फेब्रुअरी/74/करवीर/136/74-  
75—यतः मुझे, जी० कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० प्लॉट नं० 110 है जो ई-वार्ड, श्री शाहू मार्केट, कोल्हापुर  
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय करवीर (कोल्हा-  
पुर) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-2-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया  
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961  
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-  
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स शिवपाल हाथीचन्द शहा फर्म के लिये भागीदार  
(अ) नेमचन्द ललुचंद शहा, 708ई०, शाहूपुरी,  
कोल्हापुर ।
- (ब) वसंतलाल लिलाचंद शहा, 1122-ई०, शाहूपुरी,  
कोल्हापुर ।

- (क) सुभाषचन्द्र गुलाबचंद्र शहा, कागल ।
- (ड) अशोकचंद्र गुलाबचंद्र शहा, कागल ।
- (इ) शरदचंद्र गुलाबचंद्र शहा, कागल । (अन्तरक)
2. (अ) श्री सुभाषचन्द्र गुलाबचंद्र शहा, कागल, जिला  
कोल्हापुर ।
- (ब) श्री विनोदचंद्र गुलाबचंद्र शहा, कागल, जिला  
कोल्हापुर ।
- (क) श्री अशोकचन्द्र गुलाबचंद्र शहा, कागल, जिला  
कोल्हापुर ।
- (ड) श्री शरदचन्द्र गुलाबचंद्र शहा, कागल, जिला  
कोल्हापुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति  
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई  
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और  
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा  
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे  
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों  
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में यथा- परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 110, ई-वार्ड, शाहू मार्केट याई, कोल्हापुर ।  
क्षेत्र : 12.192 वर्ग मीटर्स × 29.4381 वर्ग मीटर्स ।  
उसमें एक पत्थर से 1969-70 में बांधी हुई इमारत ।  
फ्री-होल्ड ।

जी० कृष्णन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 4-10-74  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV कलकत्ता

54 रफि अहमद कदवाई रोड़, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, तारीख 24 सितम्बर 1974

निर्देश सं० ए० सि० 105/आर०-IV/कल०/74-75—यतः,  
मुझे जर्ज वर्गिस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दूसरी मंजिल की प्लॉट सं० 4, 7 बी है, जो एलगिन रोड़ में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ असिग्नमेंट्स कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भालचन्द्र भाटिया, 7-बी, एलगिन रोड़, कलकत्ता।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गा देवी, महेश बनर्जी रोड़, डाकघर-पाणिहाटि, जिला 24 परगना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा, कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

7-बी, एलगिन रोड़, कलकत्ता के दूसरी मंजिल के प्लॉट सं० 4, जिसकी पुराकभाई जगह के परिणाम 1320 स्क्वायर फिट है

जर्ज वर्गिस,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 24-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 अक्तूबर 1974

निर्देश संख्या-III-88/अर्जन/74-75/999—यतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 150, 151, 152, 1369 से 1375 और 153 से 156 है (और जिसकी संख्या..... है, जो मुस्नेलिया, धनबाद में स्थित है और इससे उपलब्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-2-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कुसुम बेन दिनकर राय खुदछुद, जौजे :— श्री दिनकर राय खुदछुद राजकालेज एवं वाटर बोर्ड कार्यालय के निकट, झरिया, धनबाद । (अन्तरक)
- (2) टू-टेम मेटल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा श्री जगदीश नारंग, “सीता-निवास” टेलीफोन एक्सचेंज रोड, धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्त को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

जमीन 2.76 एकड़ स्थिति मुस्नेलिया, धाना, गोबिन्दपुर, बड़वा धनबाद रोड पर, खाता नं० 150, 151, 152, 1369 से 1375 और 153 से 156 ।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 8-10-74  
मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1975

नई दिल्ली दिनांक 2 नवम्बर 1974

सं० एफ० 12/7/74 ई० 1 (बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 2 नवम्बर, 1974 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, भद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, श्रीनगर, शिलांग तथा त्रिवेन्द्रम में 3 जून, 1975 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध II, पैरा, 10)।

2. इस परीक्षा परिणाम के आधारे पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से सम्बन्धित रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित हैं :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग (सहायक) का ग्रेड IV। \*
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड IV। (सहायक) \*
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड, 100 (इनमें 15 रिक्तियां अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए तथा 8 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)
- (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड 42 (इनमें 7 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 3 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (v) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, संगठनों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं \*.

\*सरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई हैं।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबंध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र में जिन सेवाओं/पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उनके संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

आवेदन पत्र में उम्मीदवार द्वारा आरम्भ में उल्लिखित सेवाओं/पदों के वरीयता-क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा अनुरोध 1 दिसम्बर, 1975 को या उससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम साफ बड़े अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या बैंक या करेसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक ग्रेड परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक ग्रेड परीक्षा, 1975 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 30 दिसम्बर, 1974 को या उससे पहले (30 दिसम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एंव निकोबार द्वीपसमूह में या लक्ष द्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 13 जनवरी, 1975 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को उपाबंध I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह उपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकवचन अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. यदि कोई उम्मीदवार 1974 में ली गई सहायक ग्रेड परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1974 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1975 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन प्रपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी,  
उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### उपाबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़ कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबंध भारतीय मिशनो में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 के पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है वह श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 7 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

#### उपाबंध-II

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष-द्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 30 दिसम्बर, 1974 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इत्तर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहा हो उसे अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वाभिव्यक्ति वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर (देखिए उपाबंध I)।

(ii) आयु के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां ।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।

**नोट :—**उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मब (ii), (iii), (vi) तथा (v) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही सत्यापित हों । जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपयुक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी । परिणामों के 1975 के विसम्बर मास में घोषित किए जाने की संभावना है । उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और परीक्षा-परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए । जो उम्मीदवार अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में उस समय प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का बाधा स्वीकार नहीं होगा ।

मब (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मब (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है :—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथ इस प्रकार भरा जाए :

“PAY TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION AT NEW DELHI GENERAL POST OFFICE,”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे । निरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

**नोट :—**जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि रु० 28.00 के बराबर और/अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “0.51 PUBLIC SERVICE COMMISSION EXAMINATION FEES” में जमा कर दें । उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें ।

(ii) **आयु का प्रमाण पत्र :—**आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाणपत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्व-विद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो । जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है ।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं ।

कभी कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो । इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था दाखिला की रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है । उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है ।



**नोट 1**—जिस उम्मीदवार के पास पढाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु में संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप ही भेजनी चाहिए।

**नोट 2** :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र —उम्मीदवार को प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे यह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता में सबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य माध्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य के औचित्य पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

(iv) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैमी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही में हस्ताक्षर करने चाहिए।

**ध्यान दें** :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii), और 3 (IV) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं किया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किये गए प्रमाण आदि आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद भी भेज दिए जाने चाहिए और वे इस हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4 यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) ग्रामतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-

पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए, जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से ग्राम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*  
 \_\_\_\_\_ सुपुत्र/सुपुत्री/श्री\*  
 \_\_\_\_\_ जो गाँव/  
 कस्बा\* \_\_\_\_\_ जिला/मंडल\* \_\_\_\_\_  
 राज्य/मंड\* राज्य क्षेत्र \_\_\_\_\_  
 के/की\* निवासी हैं \_\_\_\_\_ जाति/  
 आदिम जन जाति के/की\* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित\* जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों की सुचिया (संशोधन) आदेश, 1956\*

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियाँ, आदेश, 1956\*

संविधान (अडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1962\*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियाँ, आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*

संविधान (गोआ, दमन और दियु) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*-----श्री र/  
या \*उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा\*-----  
-----जिला/मण्डल\*-----मे  
राज्य/संघ\* राज्य क्षेत्र -----मे  
रहने/रहती\* है ।

हस्ताक्षर -----

\*\*पद नाम -----

(कार्यालय की मोहर)

स्थान-----

तारीख-----

राज्य

-----  
\*\*संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें ।

नोट :—यहां "ग्राम तौर से रहते/रहती है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है ।

\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए धम अधिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब/डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर ।

\* (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।

(iv) उस इलाके का सब-डिबीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो ।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर /ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेपुटी सचिव अफसर, लक्ष्मीप ।

5. (i) नियम 5(ख) (ii) अथवा 5(ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 के पूर्व प्रव्रजन कर भारत आया है :—

(1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिबीजनल का सब-डिबीजनल अफसर ?

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(ii) नियम 5(ख) (V) अथवा 5(ख) (VI) के अन्तर्गत आयु में छूट या दावा करने वाले श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका (भूतपूर्व लंका) में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है, जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबंध I के पैरा ग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iii) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है ।

(iv) नियम 5(ख) (iv) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिंसिपल से जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फ्रेंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(v) नियम 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) में आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिमा मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(vi) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र से फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

#### उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----  
के रैंक नं०-----श्री-----  
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

तारीख-----

\* जो शब्द लागू न हों उसे कृपया काट दें।

(vii) नियम 5(ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन और दियु के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए :—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौंसिलहौस के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(viii) नियम 5(ख) (viii) या 5(ख) (xiv) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांगत हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत

करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांगत हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

#### उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----  
के रैंक नं०-----श्री-----

सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

तारीख-----

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें उसकी या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें, उसमें परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमूक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एक्नॉलजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जायगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जायगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबंध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110006, के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, 14 जनपथ बैरक्स "ए", नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा के बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा दे कर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्तसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबंध पत्र-व्यवहार :—आवेदन-पत्र से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ध्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

(1) परीक्षा का नाम।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION  
New Delhi-110011, the 4th October 1974

No. P/1818-Admn.I.—Dr. V. Subramanyan, formerly Principal Scientific Officer in the Department of Science & Technology, has been appointed as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 31st August, 1974.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.  
for Chairman,  
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT  
DEPT. OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-1, the 5th October 1974

No. PP/A-2/65-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri A. B. Chaudhuri, an I.P.S. Officer of West Bengal Cadre, as Joint Director, Central Bureau of Investigation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment, with effect from 30-9-1974 (AN), until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E) C.B.I.

New Delhi, the 5th October 1974

No. 11/6(15)/74-AD.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Kalidas Dhar, an officer of West Bengal Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th September, 1974 until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer  
for Deputy Inspector Genl. of Police  
Special Police Establishment

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 1st October 1974

No. 2/29/74-Admn.—The Central Vigilance Commission hereby appoints Shri V. K. Sharma, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an official

- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नंबर (अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नंबर सूचित नहीं किया गया हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ध्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर अयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ध्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

ing capacity, w.e.f., the forenoon of 20th September, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy. (Admn.)  
for Central Vigilance Commissioner

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 4th October 1974

No. 18275/AN-II.—On attaining the age of superannuation on 21-4-74 (FN), Shri Naunit Lal, Assistant Controller of Defence Accounts, was transferred to Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 30-4-1974 (AN).

CORRIGENDUM

2. Notification bearing this office No. 18275/AN-II, dated 15th February, 1974 published in the Gazette of India Part III, Section 1 (P 1928) dated 23/3/74 in respect of Shri Naunit Lal, Assistant Controller of Defence Accounts is cancelled.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
Calcutta-16, the 26th September 1974

No. 42/74/G.—On attaining the age of superannuation the under-mentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each :—

- (1) Shri K. D. Kohli, O.S.D. (Subst. & Permt. General Manager (selection Grade)/Dy. Director General, Ordnance Factories, 31st Aug. 1974 (AN).
- (2) Shri K. N. Chakravarty, Offg. ADGOF/Gr.II, (Subst. & Permt. Sr. DADGOF/Manager), 31st Aug. 1974 (AN).

The 1st October 1974

No. 41/74/G.—On expiry of notice given by him under Art 459 C.S.R., Shri U. N. Das, Offg. Asstt. Manager (Subst & Permt. Foreman), retired from service with effect from 28th Feb. 1974 (AN).

M. P. R. PILLAI,  
Assistant Director General, Ordnance Factories

## DEPARTMENT OF SUPPLY

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &amp; DISPOSALS

(ADMN. BRANCH A-6)

New Delhi, the 4th October 1974

No. A-17011(75)/74-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri C. L. Suryanarayanan, ADS (Grade II), in the D.S.&D, Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Bombay Inspection Circle w.e.l. the forenoon of 18-9-74 until further orders.

Shri C. L. Suryanarayanan, relinquished the charge of the post of ADS (Grade II), in the D.S.&D, Bombay on the forenoon of 18-9-74 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.), in the Bombay Inspection Circle on 18-9-74 (AN).

S. K. JOSHI, Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th October 1974

No. 1-130/73-Estt.II(CGHS).—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Indu Kumar relinquished charge of the post of Lady Medical Officer, under the Central Govt. Health Scheme, New Delhi on the afternoon of the 12th May, 1973.

K. VENUGOPAL, Dy. Director of Admn. (CGHS)

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

## DIRECTORATE OF MARKETING &amp; INSPECTING

Nagpur, the 3rd October 1974

No. F. 2/8/74-DN.II.—In partial modification in Notifications No. 3(44)/9/72-D.II, No. F.74 (15)/72-D.I. and No. F.5/11/69-D.II, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-73 (Pages 1840 to 1844) the name of Shri E. Gopalan, Marketing Officer, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

The 5th October 1974

No. F. 12/10/73-D.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Commerce, Notification No. 1127 dated 21-4-73, published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri J. V. Appa Rao, Marketing Officer, Bangalore, to issue Certificate of Grading, to the effect that Curry Powder has been graded in accordance with the provisions of Curry Powder Grading and Marking Rules, 1956, as amended and issued under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) with immediate effect and until further order.

N. K. MURALIDHARA RAO,  
Agricultural Marketing Adviser

(DEPARTMENT OF FOOD)

## DIRECTORATE OF SUGAR AND VANASPATHI

New Delhi, the 7th October 1974

No. A-19012/41/74-Estt.—Shri S. K. Yadava has been appointed to officiate as Inspector (Vanaspathi) with effect from the 30th August, 1974 and until further orders.

N. K. PRABHAKARA RAO, Chief Director

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st October 1974

No. A-32013/4/73-EA.—The President is pleased to appoint Shri T. Sivasankaran, Senior Aerodrome Officer to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes, on purely *ad hoc* basis with effect from the 20th September, 1974. Shri Sivasankaran is posted as Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

S. L. KHANDPUR,  
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th October 1974

No. A-32013/2/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri P. G. Kurien who was officiating as Senior Aircraft Inspector in the office of Controller of Aeronautical Inspection, Bombay on *ad hoc* basis, on regular basis with effect from the 7th June, 1974.

H. L. KOHLI, Dy. Director (Admn.)

## MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

## INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th October 1974

No. E(1)06684.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. K. Misra, Professional Assistant, Meteorological Office, Jaipur under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st July, 1974 and until further orders.

Shri D. K. Misra, Offg. Assistant Meteorologist has been posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

NOOTAN DAS, Meteorologist  
for Director General of Observatories.

## COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Chandigarh, the 28th September 1974

No. 276.—Shri R. P. Dhawan (Inspector S.G.) of Central Excise Collectorate, New Delhi is appointed until further orders to officiate as Superintendent of Central Excise Class II in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-EB-880-40-1000-EB-40-1200. Shri R. P. Dhawan took over the charge of his post at Amritsar in the forenoon of 28-8-1974.

No. 277.—In this Collectorate notification No. 256, for the words & figures "13th July, 1974, "read" 13th June, 1974."

No. 278.—In this Collectorate notification No. 258, in the figures "30-7-74" read "31-7-74"

B. K. SETHI, Collector

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Aundh Light and Power Suppliers Limited.

Bombay, the 4th October 1974

No. 6944/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Aundh Light and Power Suppliers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Trades Establishment India Private Limited.

Bombay, the 4th October 1974

No. 4993/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Trades Establishment India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Orissa Timber Products Limited

Cuttack, the 1974

No. I. 393/74.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that an Order for winding up of the above named Company was made by the Hon'ble High Court of Orissa on 12-8-74 in the Company Act Case No. 11 of 1972 and that the Official Liquidator attached to the Hon'ble High Court of Orissa has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

S. N. GUHA,  
Registrar of Companies, Orissa

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th October 1974

Ref. No. F. X/10/50/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 26 situated at North Veli Street, Madurai registering officer at SRO, Pudumandapam on February 1974 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (2) M/s. Sethuraman, Subramanian and Dhanasekaran (Minors), Sons of Shri A. Sangu Chettiar, No. 4, Ramaswamy Konar Lane, Dhanappa Mudali Agharam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing door No. 26, North Veli Street, Madurai. Land area 2550 sq. ft. Built-up area 2500 sq. ft. Date : 7-10-1974.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

- (1) Smt. R. M. Muthammal & another, 26, North Veli St., Madurai. (Transferor)

Date : 7-10-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. Krishnan, S/o Shri K. Ramaswami, 10,  
Government Servants' Colony, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Asi Leefman Williams, No. 24, Agastiyar  
Street, Madras-59.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 9th October 1974

Ref. No. F. 1132/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 10, situated at Government Servants' Colony Cenetoph Colony, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras on 11-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 Ground & 2262 Sft. (with building) situated at No. 10, Government Servants' Colony, Cenetoph Colony, Madras-18.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 9-10-1974.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 8th October 1974

Ref No. F. 926/73-74—Whereas, I. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 33 situated at South Boag Road, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at T. Nagar on 6-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. G. B. Lakshmi, 34, Block I, 10th Main Road Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. P. Lakshmi Ammalu, 31, Murali Street, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds & 10 Sft. (with building) and bearing T S No. 6542, S Nos. 120/3 & 121/1 Part situated at Door No. 33, South Boag Road, T. Nagar, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 8-10-1974.

Seal :



## FORM ITNS—

(2) Smt. A. S. Syed Johar Beevi; 2/67, Main Road, Podakkudi, Mannargudi Taluk, Thanjavur District.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6,

Madras, the 8th October 1974

Ref. No. F. 1152/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao,

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 12 and 12-C situated at Parambur Barracks Road, Madras-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer, at ISRO, Madras on 20-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri T. Sethu Madhavan; 2. Shri S. P. Mohamed;
3. Shri K. K. Kochu Mohamed; 4. Shri V. K. Syed Mohamed and 5. Shri T. Gopalakrishna Mannadiar,
- No. 4, Valluvan Street, Madras-7.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3507 Sft. (with building) situated at No. 12 and 12-C, Parambur Barracks Road, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 8-10-1974

Seal :

## FORM ITNS

(1) Jayitri Devi W/o Chunni Lal, R/o Harjoopura  
Tajganj, Agra. (Transferor)(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Squate,  
Calcutta. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/71/Agra/73-74/1828.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (as per Schedule) situated at Village Basai, Teh. & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of plots No. 407, 408, 409, 410, 411 and 414 measuring 3 bighas and 6 biswas situated in village Basai, Teh. & Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 35,464.68p.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range  
Kanpur

Date : 27-9-74.

Scal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/135/Agra/73-74/1817.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Dist. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Pyare Lal S/o Sri Chunnai Lal R/o Harjoogura, Tajgani, Agra. (Transferor)

(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square, Calcutta. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of plots No. 880, 882, 883, 884 and 885 measuring 4 bighas and 6 biswas (1/3rd of 1/6 share) situated in Village Basai, Teh. & Dist. Agra transferred for apparent consideration of Rs. 7,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square,  
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq./134/Agra/73-74/1812.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Dist. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of plots No. 880, 882, 883, 884 and 885 measuring 4 bighas and 6 biswas (1/3 of 1/6 share) situated in Village Basai Teh. & Dist. Agra transferred for apparent consideration of Rs. 7,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

(1) Shri Jamuna Dass S/o Chunni Lal R/o Harjoopura,  
Tajganj, Agra. (Transferor)

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 26th September 1974

Ref. F. No. Acq/61/Agra/73-74/1822.—Whereas, I. Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(as per schedule)

Village Basai, Teh. &amp; Dist. Agra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Agra on 15-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Amar Singh S/o Ghurey;
2. Sri Sunehari Lal S/o Amar Singh;
3. Sri Bhagwati Prasad S/o Amar Singh;

4. Sri Hari Kishan S/o Amar Singh;  
5. Km. Vinita D/o Sri Amar Singh;  
all residents of Harjoo Pura, Tajganj, Agra.  
(Transferors)

(2) India Tobacco Company Ltd., Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of plots No. 382, 385/2, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 879, 881, 886 and 887 measuring 8 bighas, 12 biswas situated at Village Basai, Teh. &amp; Distt. Agra.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-9-74.  
Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref F No Acq/72/Agra/73 74/1818 —Whereas, I. Y Khokhar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No (as per schedule) situated at Village Basai Teh & Dist Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt Javitri Devi W/o Sri Chunni Lal R/o Harjoo-pura Tajganj, Agra (Transferor)

(2) India Tobacco Co Ltd, 37 Chowranghee Square, Calcutta (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of plots No. 416, 417, 418 and 419 measuring 2 bighas 9 biswas situated in Village Basai, Tehsil and District Agra apparent consideration of which is at Rs. 19,535,12

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date 27-9-74

Seal.

## FORM ITNS

(2) India Tobacco Co. Ltd. 37, Chowranghee Square,  
Calcutta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/73/Agra/73-74/1826.—Whereas I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Dist. Agra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kunwar S/o Ghurey Lal R/O Harjoopura, Tajganj, Agra. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 1 undivided share in plots No. 380 and 381M measuring 1 bigha and 8 biswas situated in village Basai, Tehsil and District Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 19,281.25.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/59/Agra/73-74/1820.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (as per schedule) Village Basai, Teh. & Dist. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagwati Prasad and Suneeri Lal Ss/o Sri Amar Singh, R/O Harjoopura, Agra. (Transferor)
- (2) M/s. India Tobacco Co. Calcutta. (Transferee)  
Tajganj, Agra.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of plots No. 880, 882, 883, 884, 895 situated at Mauja Basai, Tehsil and Distt. Agra transferred for apparent consideration of Rs. 72,900/-. Area  $\frac{1}{2}$  of 4 bighas and 6 biswas.

Y. KHOKHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :



**FORM ITNS**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/69/Agra/73-74/1825.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (a, per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 14-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Basant Lal S/o Sri Shyam Lal, R/o Pak Tola, Tajganj, Agra (Transferor)
- (2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square, Calcutta.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to his notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land of 1/6th undivided share in plots Nos. 880, 882, 883, 884 and 885 measuring 4 bighas and 6 biswas situated in village Basai, Teh. & Distt. Agra transferred for an apparent consideration of Rs. 21,725/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Gulab Singh S/o Sri Karam Singh, R/o M. P. Pura,  
Tajganj, Agra. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square,  
Calcutta. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/70/Agra/73-74/1823.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Distt. Agra (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 14-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 1/6th undivided share in plots No. 880, 882, 883, 884 and 885 measuring 4 bighas and 6 biswas, situated in village Basai, Teh. & Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 21,725/-.

Y, KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/75/Agra/73-74/1829.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Basai, Tajganj, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-2-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh S/o Sri Ghurey Lal, Harojoopura, Tajganj, Agra. (Transferor)

(2) India Tobacco Co. Ltd., Calcutta, 37, Chowranghee Square, Calcutta. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land  $\frac{1}{4}$  undivided share in plots No. 380 and 381 M measuring 1 bigha and 8 biswas situated in Village Basai, Tajganj, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 19,281.25.

Y. KOKHAR,  
Competent Authority,  
I.A.C. of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/58/Agra/73-74/1830.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Kunwar Singh S/o Ghurey Lal R/o Harjoo-pura, Tajganj, Agra. (Transferor)

(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of undivided half share in plots No. 383-384 and 385 measuring 3 bighas situated in village Basai, Teh. & Distt. Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 46,843.75.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74,

Seal :

FORM ITNS—

(2) India Tobacco Co. Ltd., Calcutta, 37, Chowranghee Square, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/60/Agra/73-74/1827.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (as per schedule) situated at Village Basai, Teh. & Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Agra on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Singh S/o Ghurey Lal R/o Harjoopura, Taiganj, Agra. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of undivided half share in plots No. 383-384 and 385 measuring 3 bighas and 8 biswas situated in village Basai, Tehsil & Distt. Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 46,843.75.

Y. KOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 27-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) India Tobacco Co. Ltd., 37, Chowranghee Square,  
Calcutta. (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 27th September 1974

Ref. F. No. Acq/136/74-75/Agra/1815.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(as per schedule) situated at Village Basai, Teh. &amp; Distt. Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Agra on 15-2-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh S/o Ghurey Lal R/o Harjoopura,  
Tajganj, Agra. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of plots No. 880, 882, 883, 884 and 885 (2/3 of 1/6 share) measuring of total land 4 bighas and 6 biswas, situated in Village Basai, Tehsil &amp; Distt. Agra transferred for apparent consideration of Rs. 14,000/-.

Y. KOKHAR,  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-74

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sundarambal, W/o Shri N. Thangavelu Mudaliar, No. 20-A, Jawaharlal Nehru Street, Pondicherry-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Saint Gervais Hilaire Francies & Mrs. Gervais Rita, No. 40, Laporte Street, Pondicherry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Sundarambal, W/o Shri N. Thangavelu Mudaliar.

[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-2  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

(4) Smt. Sundarambal, W/o Shri N. Thangavelu Mudaliar.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Madras-6, the 4th October 1974

Ref. No. F. 3117/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

74 situated at Kamatchi Amman Koil Street Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pondicherry on 9-2-1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) on the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building measuring 1920 Sft. situated at Door No. 74, Kamatchi Amman Koil Street, Pondicherry.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-2, Madras-6.

Date : 4-10-1974.

Seal :

## FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th September 1974

No. C.R.62/2132/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 5/1, 5/2, 5/3 and 5/4 situated at Corporation Division No. 14, Sheshadri Road, Old Sowar Lane, Bangalore-City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 4604 on 2-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. P. Nagappaiah S/o Sri Venkataramaiah,  
2. Sri P. N. Sripathi Rao S/o Sri Nagappaiah,

3. Sri P. N. Krishna Bayer S/o Sri P. Nagappaiah,  
No. 236, 4th Road, Chamrajpet, Bangalore-City.  
(Transferor)

(2) M/s. Vasvi Enterprises by its partners :—

1. Sri N. K. Karunakumar Visvas S/o Sri N. Krishnaiah Setty.
2. K. R. Sriramalu S/o Sri K. S. Rangaiah Setty.
3. Shri P. M. Aswathanarayana Setty S/o Sri P. Muniyappa Setty.
4. Sri V. S. Parthasarathi S/o Sri Urthy Suryanarayanah.
5. Sri V. A. Srinivas S/o Sri Oietv Aswathanarayanah. Gowrishankar Market, K. S. Lane Avenue Road Cross, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site Nos. 5/1, 5/2, 5/3 and 5/4.  
Sheshadri Road, Old Sowar Lane, Bangalore-City.  
Division 14 (Survey No. 27/1)  
E.W. = 115' 10" }  
N.S. = 24' } Site measuring 2780 Sq. Ft.

Boundaries :—

East : Krishnamoorthy Site.  
West : Corporation Road.  
North : Corporation Road.  
South : Takur Desai Building No. 5.

Document No. 4064 dated 2/2/1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-9-1974.  
Seal :



## FORM ITS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th September 1974

Ref. No. C.R. 62/2164/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot No. 43, (old No. 68), situated at Wheeler road Cox town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3865 on 18-2-1974, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. D. Peddabbaya Reddy.
2. D. Chinnabov Reddy.
3. D. Srinivasa Reddy.
4. D. Kumaraswamy Reddy.
5. Smt. R. Krishna-Shivamma w/o Ramachandra Reddy Mopur village, Karur Taluk, Nellore Dist.
6. Smt. C. Sarasvathamma w/o Krishna Reddy, Yellaya palem village, Karur Taluk, Nellore Dist.

(Transferor)

- (2) 1. I. Munivenkatappa Reddy s/o Sri D. Chinnabov Reddy.
2. Sri I. Mariyappa s/o Sri M. Iyanna, No. 121 Jeevanahalli, Cox town Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot No. 43 (old No. 68) wheeler road Cox town, Bangalore-5 (Corporation Division No. 49)

E.	20'	} Site measuring 3139 Sft.
W.	66'	
N.	64'	
S.	82'	

Boundaries :—

E.	Storm water Drain	20'
W.	30' road.	
N.	Old Plot No. 12 (New plot No. 42)	64'
S.	Wheeler road,	82'

Document No. 3865 dt. 18-2-74

R KRISHNA MOORTHY  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-9-1974.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shrimati Yashadamma W/o Anjanappa, Jogahalli, Devanahalli Taluk, Bangalore Dist.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th September 1974

No. C.R. 62/2165/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing Vacant Plot No. 42 (old No. 68), situated at Wheeler Road, Cox Town Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivainagar, Bangalore. Document No. 3879 on 19-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri D. Peddabbaya Reddy.
2. Sri Chinnaaboy Reddy.
3. Sri D. Srinivasulu Reddy
4. Sri D. Kummaraswamy Reddy.
5. Smt R. Krishna-Shivamma W/o Sri Ramachandra Reddy, Mopur Village, Karur Taluk, Nellore Dist.
6. Smt C. Sarasvathamma W/o Krishnareddy Yellaya Palam Village, Karur Taluk, Nellore Dist.

(Transferors)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 42 (old No. 68), Wheeler Road, Cox Town, Bangalore-5. (Corporation Division No. 49).

E.W. = 40' }  
N.S. = 66' } Site measuring 2,640 Sq. Ft.

Boundaries :—

East : by storm water drain 40'  
West : 30' Road. 40'  
North : Old plot No. 11 (New plot No. 41) 66'  
South : Plot No. 43 66'

(Document No. 3879) dated 19-2-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 18-9-1974.

Seal :

FORM ITNS—

S/Shri

- (2) 1. Ananth H. Shah  
2. Dilipkumar A. Shah  
No. 9, Lower Palace Orchards, Bangalore.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th September 1974

No. C.R. 62/2241/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vacant Site No. 50 situated at Rajamahaj Vilas Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9 Document No. 4917 on 22-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri C. R. Ramachandran, Ayodhya, No. 11, General Muthiah Mudali Street, Madras-1.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Site No. 50, Rajamahaj Vilas Extension, Bangalore.

East to West = 117½'

Site measuring 10,000 sq. ft.

North to South = 85½'

### Boundaries:

North by Site No. 51

South by Site No. 49

East by Road

West by Site No. 55

Document No. 4917 dated 22-2-1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-9-1974.

Seal:

## FORM ITNS—

(2) Shri K. Ramaswamy, S/o Kuppaswamy Gownder,  
(Contractor) No. 309, Sadha Shivanagar, Banga-  
lore-6. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

[Person(s) in occupation of the  
property].

[Person whom the undersigned  
knows to be interested in the  
property].

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 18th September 1974

No. C.R. 62/2252/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 249, situated at, Sadha-Shivanagar, Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-9 Document No. 5016, on 28/2/74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Narayanaswamy, S/o V. Narayanappa, No. K-6, Gejje Basetty Lane, Cottonpet, Bangalore-53. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to the notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site No. 249, Sadhashivanagar, Bangalore-6.

All that piece and parcel of site bearing No. 249/1, situated at 18th cross, Sadhashivanagar, Bangalore-6.

Measuring:

East to West 120'  
North to South 80'

Bounded on:

North: By site No. 250.  
South: By site No. 249.  
East: By Road.  
West: By site Nos. 267 & 268.

Document No. 5016 dated 28/2/1974.

R. KRISHNAMOORTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 18-9-1974.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 4th October 1974.

Ref. C.A.5/Feb/74/Karvir/136/74-75.—Whereas, I. G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 110 at E Ward, Shri Sahau Market Yard, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Karvir (Kolhapur) on 7-2-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Messrs. Shivlal Hathichand Shaha — partners :

- (a) Shri Nemchand Lalluchand Shaha, 708 E Shahupuri, Kolhapur.
  - (b) Shri Vasantlal Leelachand Shaha, 1122 E, Shahpuri, Kolhapur.
  - (c) Shri Subhashchandra Gulabchandra Shaha, at Kagal, Dist. Kolhapur.
  - (d) Shri Ashokchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur.
  - (e) Shri Sharadchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur. (Transferee)
- (2) (a) Shri Subhashchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur.
- (b) Shri Vinodchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur.
  - (c) Shri Ashokchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur.
  - (d) Shri Sharadchandra Gulabchandra Shaha, Kagal, Dist. Kolhapur. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 110, E Ward, Shahu Market yard, Kolhapur.  
Area : 12.192 Sq. Mtrs. x 27.4381 Sq. Mtrs.  
One stone Building therein built in 1969-70.  
Freehold.

G. KRISHNAN  
Competent Authority,  
IAC of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 4-10-1974.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

53, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th September 1974

Ref. No. AC-105/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4 on the second Floor at Premises No. 7B situated at Elgin Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 15-2-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Bhal Chandra Bhatia,  
7B, Elgin Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Sm. Durga Devi,  
Mahesh Banerjee, Road, P.O. Panihati, 24, Paraganas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the 2nd Floor at premises No. 7B, Elgin Road, Calcutta comprising a total covered space 1320 sq. ft.

GEORGE VARGHESE

Competent Authority,

IAC of Income-Tax,

Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 24-9-1974.

Seal :

FORM ITNS

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Kusumben Dinker Rai Khudchhud w/o Sri Dinker Rai Khudchhud near Raj College & Water Board Office, Jharia, Dhanbad.

(Transferor)

- (2) M/s. Tru-Tem Metal Products (P) Ltd. c/o Sri Jagdish Narang, Sita Nivas, Telephone Exchange Road, Dhanbad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE.

CENTRAL REVENUE BUILDING,

BIRCHAND PATEL MARG, PATNA-1.

Patna, the 8th October 1974

Ref. No. III-88/Acq/74-75/999.—Whereas I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 150, 151, 152, 1371 to 1375 and 153 to 157 situated at Susneleya Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer Registrar of Assurances, 5, Govt. Place at Dhanbad on 4-2-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 2.76 acres is situated at Susneleya, P.S. Govindpura on Barwa Dhanbad Road, Dhanbad, bearing Khata Nos. 150, 151, 152, 1371 to 1375 and 153 to 157.

J. NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna

Date : 8-10-1074.

Seal :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1975

New Delhi, the 2nd November, 1974

No. F.12/7/74-EI(B)

A competitive examination for recruitment to vacancies in the services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD BANGALORE BHOPAL BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD JAIPUR MADRAS NAGPUR, PATIALA, PATNA, SRINAGAR, SHUILONG and TRIVANDRUM commencing on 3rd June, 1975 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 2nd November 1974.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services/posts are given below :—

- (i) Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the Indian Foreign Service (B)\*
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service\*
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service —100 (Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Caste candidates and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates)
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—40 (Includes 7 vacancies reserved for Scheduled Caste candidates and 3 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service\*

\*Vacancies not intimated by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

**N.B.**—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes so that having regard to his ranks in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 1st December, 1975.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House New Delhi-110011 on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full

particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address, and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

**NOTE.**—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1975. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1975, WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 30th December, 1974 (13th January 1975 in the case of candidate, residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 30th December, 1974) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

6. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. If any candidate who took the Assistants' grade Examination held in 1974 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the result, or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1974 examination, his candidature for the 1975 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI.

Dy. Secy.

Union Public Service Commission

## ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.



3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 7 of the Notice nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

## ANNEXURE II

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoolpur House New Delhi-11001, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 30th December, 1974.

A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily rated employee must submit his application through the Head of his Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1975. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.

(i) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the Issuing Post Master and a clear stamp of the Issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination fees." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy

of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) *Two copies of Photograph*.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

*N.B.*—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ son/daughter\* of \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ village\* town in District\*/Division \_\_\_\_\_ of the State/Union Territory\* of \_\_\_\_\_ belongs to the \_\_\_\_\_ Caste/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966\*.

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* \_\_\_\_\_ and/or\* his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town \_\_\_\_\_ of \_\_\_\_\_ District/Division of the State/Union Territory of \_\_\_\_\_.

Signature \_\_\_\_\_

\*\*Designation \_\_\_\_\_

(with seal of office)

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

State\*/Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

\*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakanya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective district;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not a person to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka (formerly known as Ceylon) claiming age concession under Rule 5(b) (v) or 5 (b) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka (formerly known as Ceylon) to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b) (viii) or 5(b) (ix), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate from the Union Territory of Pondicherry claiming age concession under Rule 5(b) (iv) should produce an attested/certified copy of a certificate from the Principal of the educational institution he has attended to show that he had received education through the medium of French at some stage.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(b) (vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b) (x) or 5(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the Candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(b) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from one of the following authorities in support of his claim:—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

(viii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b) (xiii) or 5(b) (xiv) should produce an attested/certified copy of a certificate

in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

*The form of certificate to be produced by the candidate*

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, 14, Janpath Barracks 'A', New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110001 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

**N.B.**—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

New Delhi-110011, the 2nd November 1974

**CORRIGENDUM**

No. F. 2/11/73-E.I(B).—In the Union Public Service Commission's Notice of even number relating to the Engineering

Services Examination, 1974, published in the Gazette of India Part III, Section I, dated 23rd February, 1974.

- (1) for the figure '6' against the Indian Railway Service of Mechanical Engineers occurring against item (iv) of para 2 of the Notice, read '10'.
- (2) for the words and figures 'The vacancies shown against the Services/posts at item (i), (ii), (iii), (v) and (xii) are permanent' occurring in 2nd sub-para of para 2 of the Notice, read 'The vacancies shown against the Services/posts at item (i), (ii), (iii), (iv), (v) and (xii) are permanent.'
- (3) for the words and figures 'prior to 2nd April 1974' occurring in lines 5 and 6 of 4th sub-para of para 2 of Annexure II, read 'prior to 22nd April 1974'.
- (4) The following sentence shall be added at the end of 'Note' under para 2 (i) of Annexure II—  
'The candidates should forward the receipt from that office with the application.'
- (5) The following words shall be omitted from lines 3 and 4 of para 13 of Annexure II.

'AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION'

N. B. MATHUR, Under Secy.  
Union Public Service Commission